मेरे लिए मेसी सर्वश्रेष्ठ हैं। जिन्होंने पेले और माराडोना को देखा है, उनके विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन मेसी विश्व कप नहीं जीतते तो भी वह महान ही रहते। - पेप गुआर्डियोला, कोच, मैनचेस्टर सिटी

सड़कों पर 40 लाख प्रशंसक, हेलीकाप्टर से निकाली टीम

फुटबाल विश्व कप जीतने का जश्न मनाने उमड़े लोग, फ्लाईओवर से खिलाड़ियों की बस में कूदे प्रशंसक, टालनी पड़ी बस से परेड

ब्यूनस आयर्स, एपी : अर्जेंटीना में 36 साल बाद फुटबाल विश्व कप जीतकर घर लौटे नायकों के स्वागत के लिए लाखों लोग राजधानी ब्यूनस आयर्स की सड़कों पर उतर आए, जिससे हर तरफ जाम लग गया। लोगों के हाथों में झंडे थे, वे उत्साह में नाच गा रहे थे लेकिन उनकी संख्या इतनी अधिक थी कि उसके कारण खिलाड़ियों की खुली बस में परेड रोकनी पड़ी। बाद में हेलीकाप्टर मंगवाए गए, जिसमें बैठकर लियोनल मेसी और बाकी सदस्यों ने परेड पूरी की। सरकार ने इसे हवाई परेड करार दिया।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, सेंट्रल ओबिलिस्क के रास्ते पर करीब 40 लाख लोग जमा थे। अपने चहेते खिलाड़ियों की एक झलक पाने को प्रशंसक बेताब थे। यहां तक कि जब खिलाड़ियों को ले जा रही बस एक फ्लाईओवर के नीचे से गुजरी तो दो लोग ने बस में कूद गए। इनमें से एक व्यक्ति बस के भीतर गिरा, जबकि दूसरा फुटपाथ पर। इसके बाद सुरक्षा कारणों से बस परेड को स्थगित कर खिलाड़ियों को हेलीकाप्टर में बैठाया गया।

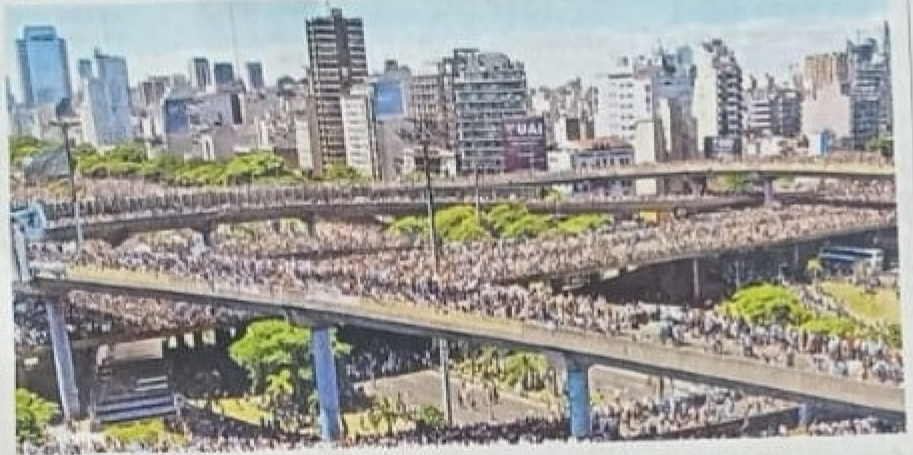

विश्व कप विजेता अर्जेंटीना टीम का स्वागत करने सड़क पर उमड़ी प्रशंसकों की भारी भीड़ • एपी

राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज के प्रवक्ता गैब्रियला सेरुती ने ट्वीट किया, विश्व चैंपियन पूरे रूट पर हेलीकाप्टर से उड़ान भर रहे हैं क्योंकि बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने के कारण सड़क मार्ग से परेड जारी रखना असंभव था। हेलीकाप्टर ने ब्यूनस आयर्स के उन स्थानों पर उड़ान भरी जहां प्रशंसक एकत्रित थे। इसके बाद खिलाड़ी हेलीकाप्टर से ही राजधानी से बाहर स्थित अर्जेंटीना फुटबाल संघ मुख्यालय पहुंचे। फुटबाल संघ के प्रमुख क्लाउडियो तापिया ने योजना में बदलाव के लिए सरकारी तंत्र को दोषी ठहराया। उन्होंने ट्वीट किया, जो सुरक्षाकर्मी हमारे साथ थे वही हमें आगे नहीं बढ़ने दे रहे थे। मैं सभी चैंपियन खिलाड़ियों की तरफ से माफी मांगता हूं। अर्जेंटीनी टीम सोमवार देर रात इजेइजा पहुंची थी, जहां हवाई अड्डे पर रात में भी उनके स्वागत के लिए हुजूम उमड़ पड़ा था। इसके बाद खिलाड़ी खुली बस से करीब एक घंटे का सफर कर अर्जेंटीना फुटबाल संघ के मुख्यालय पहुंचे थे, जहां से मंगलवार सुबह उन्हें ओबिलिस्क रवाना होना था।

प्रशंसक हुए निराश : कुछ प्रशंसक इसके बाद भी सड़कों पर जश्न मनाते रहे, लेकिन उन्हें मलाल रहा कि वह 1986 के बाद पहली बार विश्व कप जीतने वाली अपनी टीम के खिलाड़ियों की झलक नहीं देख पाए। टीम की झलक पाने के लिए सुबह से ही इंतजार कर रहे 25 वर्षीय डियागो बेनविडेज ने कहा, हम गुस्से में हैं क्योंकि सरकार ने इसका व्यवस्थित तरीके से आयोजन नहीं किया जिससे कि हम अच्छी तरह से जश्न मना सकते। उन्होंने हमसे विश्व कप जीत का मजा छीन लिया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, टीम के प्रशंसक देर रात से ही ऐतिहासिक ओबिलिस्क पर जुटना शुरू हो गए थे। भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए पुलिस को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान पुलिस और प्रशंसकों के बीच झड़प भी हुई, जिसमें आठ प्रशंसकों को चोटें आईं।

फुटबाल का बहुत व्यावसायीकरण किया जा रहा : सेप ब्लैटर

बर्लिन, एपी : फीफा के पूर्व अध्यक्ष ब्लैटर ने अगले विश्व कप में 48 टीमें खिलाने और क्लब विश्व कप के विस्तार को लेकर मौजूदा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो की आलोचना की है। ब्लैटर ने बुधवार को एक साक्षात्कार में कहा, इस समय खेल का अत्यधिक व्यावसायीकरण किया जा रहा है। नींबू को अधिक से अधिक निचोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरण के लिए 48 टीमों के साथ विश्व कप और क्लब विश्व कप को चैंपियंस लीग की प्रतिस्पर्धा के तौर पर देखा जाना चाहिए। फीफा यहां क्लब फुटबाल पर अतिक्रमण करने की कोशिश कर रहा है, जिससे उसका कोई लेना देना नहीं है। हाल ही में इन्फेंटिनो ने 2026 विश्व कप में 48 टीमें और 2025 में क्लब विश्व कप में 32 टीमों के साथ कराने की घोषणा की थी। अपने ऊपर लगे विश्व कप मेजबानी देने पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर ब्लैटर ने कहा, मैंने कभी रिश्वत नहीं ली, इसलिए मेरे विरुद्ध अब तक कुछ साबित नहीं हो सका है। उन्होंने दावा किया इन्फेंटिनो फीफा को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने हमेशा ही फुटबाल की सेवा करने की कोशिश की है, लेकिन अब खेल को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

रोहित के बाहर रहने से असर नहीं पड़ेगा : हाग

शोभित चतुर्वेदी, नई दिल्ली : भारतीय टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा चोट से पूरी तरह नहीं उबरने के कारण बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से ढाका में होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे और उनकी जगह केएल राहुल इस मैच में भी टीम की कमान संभालेंगे। हालांकि, आस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर ब्रैड हाग का कहना है कि रोहित की अनुपस्थिति से टीम के प्रदर्शन पर फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि टीम इंडिया में कई अनुभवी खिलाड़ी हैं जो अपने कंधों पर टीम का भार उठा सकते हैं।

दैनिक जागरण के साथ विशेष बातचीत में हाग ने कहा, 'मुझे ऐसा नहीं लगता कि रोहित के न रहने से फर्क पड़ेगा, क्योंकि भारतीय टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी हैं जो अपने कंधे पर टीम का भार उठा सकते हैं। कोच राहुल द्रविड़ खुद भी रणनीतियां बनाने में माहिर हैं। शुभमन गिल के पास एक बार फिर खुद को साबित करने का मौका रहेगा।' हाग का मानना है कि तीनों प्रारूप के लिए अगर भारतीय टीम अलग-अलग कप्तान रखती है तो कौन भारतीय टीम की कमान संभालेगा, यह कहना मुश्किल है। उन्होंने कहा, 'रोहित शर्मा पिछले कुछ समय से तीनों प्रारूप में भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं और उन पर काफी जिम्मेदारी है। टी-20 के लिए कुछ दावेदार सामने आए हैं, लेकिन भविष्य में क्या होगा इसके लिए कुछ भी नहीं कहा जा सकता है और जैसा कि मैंने कहा यह फैसला करना काफी कठिन होगा।'

एक नजर में

अक्षर 18वें स्थान पर

दुबई : भारतीय आलराउंडर अक्षर पटेल आइसीसी टेस्ट रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में 20 स्थान के फायदे से करियर की सर्वश्रेष्ठ 18वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। वहीं, कुलदीप यादव 19 स्थान आगे बढ़कर 49वें स्थान पर पहुंच गए हैं। कुलदीप ने बांग्लादेश के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला के पहले मैच में 113 रन देकर आठ विकेट चटकाए थे। उनके 455 रेटिंग अंक हैं। अक्षर ने मैच में पांच विकेट चटकाए और वह 650 अंक के साथ शीर्ष 20 गेंदबाजों में जगह बनाने में सफल रहे हैं। चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चौथे और रविचंद्रन अश्विन पांचवें स्थान पर हैं। (प्रेट्र)

वायकाम 18 को अधिकार

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आइओसी) ने बुधवार को घोषणा की कि भारत और भारतीय उपमहाद्वीप में पेरिस ओलिंपिक खेल 2024 के प्रसारण के लिए वायकाम 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने विशेष मीडिया अधिकार प्राप्त कर लिए हैं। आइओसी ने कहा कि वायकाम 18 ने 2024 में होने वाले शीतकालीन ओलिंपिक खेलों के [illegible] प्रसारण अधिकार भी हासिल किए। भारत के अलावा बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और भूटान भी वायकाम 18 पर प्रसारण देख पाएंगे। (प्रेट्र)

दिल्ली में कुश्ती चैंपियनशिप

नई दिल्ली : यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने घोषणा की है कि 2023 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन नई दिल्ली में 28 मार्च से दो अप्रैल तक किया जाएगा। साथ ही अगले साल से होने वाली रैंकिंग सीरीज प्रतियोगिताओं के दौरान पहलवानों को उनके वजन में दो किलोग्राम तक की छूट दी जाएगी। दिल्ली ने फरवरी 2020 में भी इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। (प्रेट्र)

आरटीपी सूची में 149 नाम

नई दिल्ली : राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने बुधवार को 2023 के लिए पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में 24 खेलों के 149 खिलाड़ियों को शामिल किया है। इनमें सात दिव्यांग खिलाड़ी भी शामिल हैं और इनमें नाम एक जनवरी से एजेंसी की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। आरटीपी सूची में शामिल सभी खिलाड़ियों को प्रत्येक तीन महीने में अपने रहने के स्थान संबंधी जानकारी देनी होती है, जिसमें रात को रुकने के स्थान का पता, नियमित कार्यक्रम, प्रतियोगिता कार्यक्रम और स्थान शामिल हैं। (प्रेट्र)

हार्दिक को टी-20 के साथ वनडे की कप्तानी देने पर विचार

अभिषेक त्रिपाठी • नई दिल्ली

आलराउंडर हार्दिक पांड्या को भारतीय टीम का अगला वनडे और टी-20 कप्तान बनाया जा सकता है। बुधवार को हुई शीर्ष परिषद की बैठक में हालांकि कप्तानी को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई, लेकिन हाल में बीसीसीआइ के कुछ पदाधिकारी मिले थे। जहां इस पर चर्चा हुई की क्या सफेद गेंद की कप्तानी हार्दिक पांड्या को दी जा सकती है? नई चयनसमिति के आने के बाद हार्दिक का टी-20 कप्तान बनना तय है।

हार्दिक को वनडे और टी-20 दोनों का कप्तान बनाने में सिर्फ एक पेच है कि क्या उनकी फिटनेस ऐसी है कि वह लगातार दो प्रारूप खेल सकते हैं, क्योंकि टेस्ट तो वह मुश्किल ही खेलेंगे या नहीं खेलेंगे। पांड्या से भी इस बारे में बात की गई है। अब वह बताएंगे कि क्या वह लगातार दो प्रारूप में खेल सकते हैं या नहीं। तीन अलग-अलग प्रारूप में तीन अलग-अलग टीमों को लेकर भी पहले चर्चा हुई है जिसमें तीन अलग-अलग कप्तान या सफेद गेंद का एक और लाल गेंद का एक कप्तान हो सकता है। हार्दिक ने इस साल अपनी कप्तानी में गुजरात टाइटंस को आइपीएल का खिताब दिलाया था। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया इस साल आस्ट्रेलिया में हुए टी-20 विश्व कप में सेमीफाइनल में ही बाहर हो गई थी और तभी से इस बात की संभावना जताई जाने लगी थी कि भारतीय टीम में बड़े पैमाने पर बदलाव होंगे।

बीसीसीआइ से करार खत्म करना चाहता है बायजूस

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय क्रिकेट टीम के दो बड़े प्रायोजक बायजूस और एमपीएल स्पोर्ट्स बीसीसीआइ के साथ प्रायोजन करार खत्म करना चाहते हैं। जून में बायजूस ने करीब 3.50 करोड़ डालर (करीब 290 करोड़ रुपये) में बोर्ड के साथ नवंबर 2023 तक उसी प्रायोजन करार बढ़ाया था। बोर्ड ने बायजूस से कम से कम मार्च 2023 तक करार जारी रखने को कहा है। इस मामले की चर्चा बुधवार को हुई बीसीसीआइ शीर्ष परिषद में की गई। टीम किट और मर्चेंडाइज प्रायोजक एमपीएल ने भी बीसीसीआइ को बताया कि वह अपने अधिकार केवल किरण क्लोदिंग लिमिटेड (केकेसीएल) को देना चाहता है। उसका मौजूदा अनुबंध 31 दिसंबर 2023 तक वैध है।

हार्दिक पांड्या • फाइल फोटो

मैच से पहले केएल राहुल की चोट ने बढ़ाई चिंता

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में कप्तानी का जिम्मा संभालने वाले केएल राहुल बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से ढाका में होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले चोटिल हो गए हैं। हालांकि, बताया गया है कि उनकी चोट ज्यादा गंभीर नहीं है। टीम इंडिया का इस साल का यह आखिरी टेस्ट मैच होगा, ऐसे में भारत की नजरें जीत के साथ इसका समापन करने पर होंगी।

रोहित के बाद अब राहुल के अभ्यास के दौरान चोटिल होने से भारतीय टीम की चिंता बढ़ गई है। राहुल पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने कहा कि राहुल की चोट ज्यादा गंभीर नहीं दिख रही है। उन्होंने मैच से पूर्व कहा, 'लग रहा है कि वह जल्द ठीक हो जाएगा। उम्मीद करते हैं कि ऐसा ही हो। डाक्टरों की टीम उनकी चोट की निगरानी कर रही है।' राठौर राहुल को थ्रो डाउन अभ्यास करा रहे थे, तभी गेंद उनके हाथ पर लगी। राहुल चोट वाली जगह को सहलाते नजर आए और तुरंत ही डाक्टरों ने उन्हें देखा। अगर राहुल इस मैच में नहीं खेल सके तो उनकी जगह उपकप्तान चेतेश्वर पुजारा टीम की कमान संभालेंगे। राहुल अगर खेलने के लिए फिट नहीं हो पाए तो शीर्ष क्रम में अभिमन्यु ईश्वरन को एकादश में शामिल किया जा सकता है। अभिमन्यु को रोहित की जगह टीम में शामिल किया गया था।

अभ्यास के दौरान केएल राहुल • प्रेट्र

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टेस्ट आज, क्लीन स्वीप करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

टीमें : बांग्लादेश : हसन जाय, शांटो, मोमिनुल, यासिर, मुशफिकुर, शाकिब (कप्तान), लिटन, नुरुल, मेहदी, तैजुल, तस्कीन, खालिद, जाकिर, रेजौर।

भारत : राहुल (कप्तान), गिल, पुजारा, कोहली, श्रेयस, पंत, केएस भरत, अश्विन, अक्षर, कुलदीप, शार्दुल, सिराज, उमेश, अभिमन्यु, सौरभ, उनादकट।

बीसीसीआइ सहायता करे तो सुधरेंगे ब्लाइंड क्रिकेट के दिन

ब्लाइंड क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित करते एसडी अशोक चतुर्वेदी • जागरण

यूफ्लेक्स लिमिटेड की तरफ से 50 लाख रुपये की मदद, खिलाड़ियों को 51 हजार रुपये की सहायता

जागरण संवाददाता, नोएडा : तीसरे ब्लाइंड टी-20 विश्व कप में जीत दर्ज करने के बाद से खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधा व संघर्ष को लेकर चर्चा शुरू हो गई। इस पर यूफ्लेक्स लिमिटेड ने आगे आकर भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट संघ को सीएसआर फंड से 50 लाख रुपये की आर्थिक मदद कर ब्लाइंड क्रिकेट को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया है। वहीं खिलाड़ियों को 51 हजार रुपये की मदद भी दी है। अध्यक्ष डा. जीके महन्तेश बताते हैं कि हम संघर्ष के दौर में भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। सचिव शैलेंद्र यादव ने बताया कि बीसीसीआइ को ब्लाइंड क्रिकेट की मदद के लिए आगे आना चाहिए।

जेल के दिनों को याद कर रो पड़े बोरिस बेकर

बर्लिन, एपी : जर्मनी के पूर्व टेनिस खिलाड़ी बोरिस बेकर ब्रिटेन की वैंड्सवर्थ जेल में बिताए आठ महीनों को याद करके रो पड़े।

बेकर ने एक साक्षात्कार में कहा, मैंने अपनी जिंदगी में खुद को कभी इतना अकेला महसूस नहीं किया। सेल के दरवाजे बंद होने की आवाज उनके जीवन में हमेशा रहेगी। जब सेल के दरवाजे बंद होते थे तो कुछ नहीं बचता था। ये मेरे जीवन के सबसे अकेले पल थे। भूख क्या होती है इसका मुझे अपनी जिंदगी में पहली बार अहसास जेल में हुआ। मुझे जेल में चावल, आलू और सास ही मिलता था। जेल में रहते हुए कुछ दोस्त भी बने जिन्होंने चाकलेट केक मंगाकर मेरा जन्मदिन मनाया था। मैंने आजाद दुनिया में भी कभी इस तरह की एकजुटता का अनुभव नहीं किया था। वह रोज प्रार्थना करते थे तथा उन्हें दूसरे कैदियों से हमले की आशंका रहती थी।

जोकोविक विवाद पीछे छोड़ नई शुरुआत का समय : क्रेग

आस्ट्रेलियन ओपन की शुरुआत 16 जनवरी से होनी है। पिछली बार नोवाक जोकोविक को कोविड-19 का टीका नहीं लगाने के कारण शामिल नहीं होने दिया गया था। हालांकि टूर्नामेंट के सीईओ क्रेग टाइली ने कहा कि यह समय इस विवाद को पीछे छोड़कर नई शुरुआत करने का है। **शोभित चतुर्वेदी ने क्रेग टाइली से खास बातचीत की। पेश है मुख्य अंश :**

साक्षात्कार

- **पिछली बार का आस्ट्रेलियन ओपन आपकी नजर में सबसे अच्छा था या बुरा?**

-पिछले दो साल हम सभी के लिए काफी कठिन थे, लेकिन हम भाग्यशाली थे कि आस्ट्रेलियन ओपन का आयोजन कर सके जिसमें कई अहम खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। यह एक अच्छा ग्रैंडस्लैम रहा था। 2023 के लिए भी चीजें सही हैं जिसमें कई खिलाड़ी खेलेंगे। दर्शकों को इस बार और भी मजा आएगा। खिलाड़ियों के लिए यह एक उत्साहित टूर्नामेंट होगा।

- **पिछली बार नोवाक जोकोविक को आस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा नहीं लेने दिया था जिसे लेकर काफी विवाद भी हुआ था। क्या आपको नहीं लगता कि इससे बचा जा सकता था?**

-यह एक साल पहले की बात है और हम अब नई शुरुआत करने जा रहे हैं। हमारा ध्यान इस टूर्नामेंट को किस तरह और मनोरंजक बनाया जाए इस पर केंद्रित है। कई बार हालात अलग होते हैं और अगर आप कह रहे हैं कि इससे विवाद से बचा जा सकता था तो मैं यही कहूंगा कि बिल्कुल और हमने इसकी पूरी कोशिश भी की थी। हमारा उद्देश्य 2022 के आस्ट्रेलियन ओपन को सफलतापूर्वक कराना था। हमने इसके लिए काम किए कि सभी खिलाड़ी इसमें खेलें और इसे अधिक उत्साहजनक बनाया जाए।

- **जोकोविक के पिछली बार बाहर रहने से टूर्नामेंट पर कोई असर पड़ा था?**

-जब आप कोई टूर्नामेंट कराते हो तो आपकी कोशिश होती है कि इसमें सभी बड़े खिलाड़ी खेलें। हमने यही पैमाना इस साल के लिए भी रखा है और हमारी कोशिश है कि हर एक खिलाड़ी इसमें हिस्सा ले। आप हमेशा चाहते हो कि आपका बड़ा खिलाड़ी टूर्नामेंट का हिस्सा रहे। खिलाड़ी ही कोई भी टूर्नामेंट को रोमांचित बनाते हैं और हमारी यही कोशिश है कि हर बड़ा खिलाड़ी इसका हिस्सा बने।

- **आस्ट्रेलिया में इस दफा काफी गर्मी होती है और कई खिलाड़ी ऐसे वातावरण में ढल नहीं पाते हैं। इसे लेकर पहले भी कई बार चर्चा हुई है। इसे लेकर क्या कहना चाहेंगे?**

-भारत में भी गर्मी ज्यादा होती है, लेकिन खिलाड़ी यहां आने के साथ ही इस माहौल में ढल जाते हैं। हमने खिलाड़ियों को इससे बचाने के कई उपाय किए हैं। टेनिस कोर्ट में इससे राहत देने के लिए कूलिंग उपकरण लगाए हैं और टेनिस कोर्ट ढके हुए भी हैं। गर्मी के बावजूद हम आयोजन के लिए तैयार हैं।

रणजी ट्राफी

उत्तर प्रदेश ने नगालैंड पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली, जेएनएन : उत्तर प्रदेश ने दीमापुर में खेले जा रहे रणजी ट्राफी के ग्रुप-ए मुकाबले में ध्रुव जुरेल (249 रन) के दोहरे शतक तथा रिंकू सिंह (नाबाद 127 रन) और माधव कौशिक (107 रन) के शतक से पहली पारी चार विकेट पर 551 रन पर घोषित की। इसके के बाद उत्तर प्रदेश के गेंदबाजों ने नगालैंड को 42.4 ओवर में 136 रन पर समेटकर उसे फालोआन दिया। नगालैंड ने स्टंप तक दूसरी पारी में 44 रन पर एक विकेट गंवा दिए हैं।

ध्रुव शौरी ने बनाया रिकार्ड : दिल्ली ने ध्रुव शौरी (नाबाद 252) के रिकार्ड नाबाद दोहरे शतक की मदद से असम के खिलाफ पहली पारी में 439 रन बनाए। शौरी भारत की तरफ से प्रथम श्रेणी में तीसरे बल्लेबाज बने, जिन्होंने पारी की शुरुआत की और नाबाद लौटे।

देश-विदेश जागरण

बिकिनी किलर शोभराज नेपाल की जेल से रिहा

- हत्या मामलों में 19 साल से नेपाल की जेल में काट रहा था सजा
- भारत की जेल में रहा था 21 साल, तिहाड़ जेल से हुआ था फरार
- 1970 से 80 के बीच करीब 20 विदेशी नागरिकों की हत्या की

चार्ल्स शोभराज • फाइल फोटो

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल में सुप्रीम कोर्ट ने कुख्यात सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज (78) को रिहा करने का आदेश दिया है। शोभराज की रिहाई का आदेश उसके खराब स्वास्थ्य को देखते हुए दिया गया है। कोर्ट ने शोभराज की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते यह आदेश दिया है। शोभराज को अपराध जगत में बिकिनी किलर के नाम से भी जाना जाता था। नेपाल में दो विदेशी नागरिकों की हत्या के मामलों में दोषी पाए जाने पर दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। माना जाता है कि 1970 से 1980 के बीच शोभराज ने कई देशों में 15 से 20 विदेशी नागरिकों की हत्या की थी। वह एशियाई देशों में विदेशी पर्यटकों को निशाना बनाता था। शिकार बनाए लोगों से दोस्ती करता था, फिर नशीला पदार्थ देकर बेहोशी में उनकी हत्या कर देता था।

नेपाल के सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सपना प्रधान मल्ला व जस्टिस तिल प्रसाद श्रेष्ठ की पीठ ने बुधवार को शोभराज की रिहाई का आदेश दिया। आदेश में कहा कि फ्रांसीसी नागरिक शोभराज को 15 दिन में उसके देश जाने का प्रबंध किया जाए। नेपाल में 1975 में अमेरिकी महिला एनाबेला ट्रिमांट और कनाडाई महिला लारी डुपर की हत्या कर शोभराज फरार हो गया था। हत्या से पहले शोभराज ने दोनों महिलाओं से काठमांडू में दोस्ती की थी और उन्हें बरगलाया था। इस मामले में नेपाल पुलिस ने 2003 में उसे फाइव स्टार होटल से गिरफ्तार किया था। चार्ल्स भारतीय पिता और वियतनामी मूल की मां की संतान है।

1986 में शोभराज दिल्ली की तिहाड़ जेल में जेलकर्मियों को नशीला पदार्थ खिलाकर फरार हो गया था। माना गया कि ऐसा उसने थाईलैंड के लिए प्रत्यर्पण से बचने को किया था, जहां के पटाया समुद्र तट पर बिकिनी पहने छह महिलाओं की हत्या का आरोप था। तिहाड़ से भागने के बाद उसे गोवा में पकड़ लिया गया था। भारत में उसने फ्रांस जाकर शांति के साथ जीवन व्यतीत करने की इच्छा जताई थी। नेपाल की सुप्रीम कोर्ट में भी शोभराज ने यही इच्छा जताई। कहा वह 19 साल नेपाल की जेल में काट चुका है। अब वह 78 वर्ष का हो गया है और बीमार रहता है। नेपाल जेल में सजा के दौरान उसका व्यवहार अच्छा रहा है। कई याचिकाओं में उसने हृदय का आपरेशन होने की बात भी कही थी। शोभराज पर काठमांडू में अमेरिकी नागरिक कोनी जो ब्रोनजिच और भक्तपुर में कनाडाई नागरिक लारेंट कैरियर्स की हत्या का आरोप था। इन्हीं दोनों मामलों में उसे आजीवन कारावास की अलग-अलग सजा सुनाई गई। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इन सजाओं को बरकरार रखा। इस बीच शोभराज नेपाल की सुप्रीम कोर्ट में लगातार याचिकाएं दायर करता रहा।

विकास के वैश्विक लक्ष्यों से जोड़कर ग्रामोदय को दे रहे सशक्त आधार

जागरण विशेष

उप्र में उन्नाव जिले के पड़री कलां गांव के युवा की पहल, पुस्तकालय से साध रहे जीरो बजट खेती के लक्ष्य

[illegible] • नई दिल्ली

ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की परिकल्पना करते समय नानाजी देशमुख ने कहा था कि हम अपने लिए नहीं, अपनों के लिए हैं। गांवों की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के लिए जो अभियान उन्होंने शुरू किया था, उससे आज असंख्य युवा प्रेरित हैं। ऐसे ही एक युवा हैं, उत्तर प्रदेश में उन्नाव जिले के पड़री कलां गांव के निवासी अनुराग त्रिवेदी। जिन्होंने ग्रामोदय के संकल्प को संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़कर गांवों में शिक्षा, स्वावलंबन, लैंगिक समानता के साथ पर्यावरण संरक्षण की मुहिम छेड़ी है। कोरोना काल में आरंभ हुई मुहिम से केंद्र का राष्ट्रीय जैविक कृषि केंद्र और जीरो बजट खेती के विशेषज्ञ पद्मश्री भारत भूषण त्यागी भी जुड़े हैं।

एक पंथ तीन काज : इस अभियान के अंतर्गत बने पुस्तकालय दरअसल एक साथ तीन काम कर रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई के साथ इनका प्रयोग गांव की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित और प्रशिक्षित करने में भी किया जा रहा है। ताकि वे आय अर्जित कर परिवार और गांव की आर्थिकी बेहतर करें। शाम को इन पुस्तकालयों में दिल्ली व देश के अन्य शहरों में बैठे कृषि विज्ञानी व विशेषज्ञ किसानों को आनलाइन जीरो बजट खेती के तरीके सिखाते हैं। इस कार्यक्रम का निर्देशन उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि सलाहकार भारत भूषण त्यागी करते हैं।

अभियान का उद्देश्य है रासायनिक खादों का प्रयोग न हो ताकि मिट्टी की गुणवत्ता कायम रहे और लोगों को स्वास्थ्यवर्धक रसायन मुक्त खाद्य पदार्थ मिलें। लागत कम होने से किसानों की आय में भी वृद्धि हो। यह अभियान गंगा किनारे के गांवों में ले जाने का भी लक्ष्य है ताकि पतित पावनी में रासायनिक खादों से होने वाले प्रदूषण को कम किया जा सके।

अनुराग बताते हैं कि गांव वाले रुचि ले रहे हैं। 146 गांवों से हमारे पास प्रस्ताव हैं। करीब 55 गांवों में अभियान का प्रभाव है। लैंगिक समानता के लिए खेलकूद में बालिकाओं की सहभागिता बढ़ाई गई है।

गांव से सदैव बना रहा जुड़ाव

ग्राम विकास की मुहिम चला रहे अनुराग बताते हैं कि वह कानपुर स्थित दीनदयाल विद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए दिल्ली आ गए। वर्ष 2016 में एक कोचिंग संस्थान खोला जो चल निकला। मन में गांव में कुछ करने की इच्छा हमेशा से थी। कोरोना काल में गांवों से शहरों में आकर बसे परिवारों का दर्द देखा। कई परिवारों की मदद की और यहीं से इस भाव को बल मिला कि गांवों तक सुविधाएं पहुंचनी होंगी। इसी विचार को [illegible] फाउंडेशन संस्था बनाकर औपचारिक रूप प्रदान किया।

उन्नाव जिले के इटौली गांव में पुस्तकालय में अध्ययनरत बालिकाएं • सौ. संस्था

ग्रामोदय का विचार समस्त ग्रामीण संस्कृति के उत्थान से ही संभव है। शिक्षा में संस्कार, गांव की अर्थव्यवस्था और खेती के विकास को आधार बनाकर संस्था काम कर रही है। जिससे आधारभूत अवसंरचना के साथ-साथ व्यक्ति-चरित्र निर्माण भी हो रहा है। यही ग्रामोदय का आधार है। -पद्मश्री भारत भूषण त्यागी, जीरो बजट खेती विशेषज्ञ

गांवों में बहुमुखी विकास के लिए ग्रामोदय के साथ संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को मिलाने की अवधारणा विकसित की गई है। जब बच्चों को गांव में ही सब मिलेगा तो उनका जुड़ाव भी बना रहेगा और धीरे-धीरे ग्रामोदय के विचार को मजबूती देने के लिए एक मजबूत श्रृंखला बनती जाएगी। -अनुराग त्रिवेदी, संस्थापक, [illegible] फाउंडेशन

अतिरिक्त खबरें पढ़ने के लिए स्कैन करें।